पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 16.08.2022 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-39 अंक-06 भाद्रपद-2079 दयानन्दाब्द 199 16 अगस्त से 31 अगस्त 2022 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.08.2022, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का युवा संस्कार अभियान 10 दिन में 50 कार्यक्रम सम्पन्न

फरीदाबाद के श्रद्धा मन्दिर स्कूल में डॉक्टर गजराज जी के नेतृत्व में युवा संस्कार सम्पन्न हुआ। श्रुति सेतिया, आशा आर्या, जितेन्द्र सिंह आर्य आदि के प्रेरक उद्बोदन हुए।

सोनीपत के विजय हाई स्कूल सिक्का कॉलोनी में श्री जितेन्द्र चावला के नेतृत्व में युवा संस्कार अभियान सम्पन्न हुआ। श्री हरिचन्द स्नेही ने कुशल संचालन किया।

दिल्ली के आर्य समाज भलसवा कॉलोनी में युवा संस्कार समारोह श्री नन्दलाल शास्त्री जी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। श्री ओम सपरा व राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने प्रेरणादायक उद्बोदन दिए।

हरियाणा के जीन्द में श्री सूर्यदेव जी के नेतृत्व में युवा संस्कार समारोह सम्पन्न हुआ। योगेन्द्र शास्त्री, वीरेन्द्र आर्य उपस्थित थे व द्वितीय चित्र में दिल्ली के जहांगीर पुरी में श्री गजेन्द्र आर्य जी के नेतृत्व में युवा संस्कार समारोह सम्पन्न हुआ।

युवा संस्कार समारोह व अमृत महोत्सव की हर जगह धूम

पूर्वी दिल्ली के अशोक नगर में श्रीमती सोनिया संजू जी के नेतृत्व में युवा संस्कार समारोह सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, राम कुमार सिंह आर्य, वेद प्रकाश आर्य, सुन्दर शास्त्री के उद्बोदन हुए।

दिल्ली के मंगोलपुरी के वाल्मीकि मन्दिर में युवा संस्कार समारोह श्री महेन्द्र टांक के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य सम्मिलित हुए। द्वितीय चित्र दिल्ली के टिनू पब्लिक स्कूल संगम विहार में श्री धर्मपाल जी सिवाज के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। श्रीमती श्रुति सेतिया, देवदत्त शर्मा, श्री रामफल खरब के उद्बोदन हुए।

साहिबाबाद के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया पार्क में युवा संस्कार समारोह श्री प्रमोद चौधरी, के.के. यादव, सुरेश आर्य, प्रवीन आर्य के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

दिल्ली के सुल्तानपुरी में युवा संस्कार समारोह श्रीमती राधा भारद्वाज के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, दशरथ भारद्वाज, सोमेन्द्र शास्त्री, प्रवीन आर्या, संजय सपरा आदि के उद्बोदन हुए। द्वितीय चित्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य को विश्व की सबसे बड़ी सत्यार्थ प्रकाश भेंट करते हुए श्री संजीव कोहली (आर्य प्रकाशन) साथ में श्री धर्मपाल आर्य, श्री विजय कपूर, श्री प्रवीण आर्य व आचार्य गवेन्द्र शास्त्री।

'श्रावणी पर्व का महत्व' पर गोष्ठी सम्पन्न

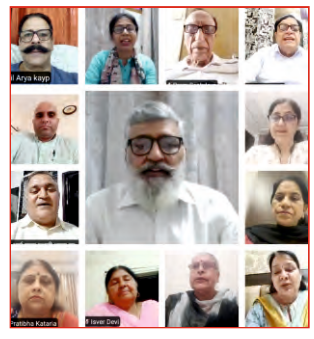

सोमवार 1 अगस्त 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'श्रावणी पर्व का महत्व' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल मे 425 वा वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता डॉ. नरेंद्र आहुजा विवेक (पूर्व राज्य औषधि नियंत्रक हरियाणा सरकार) ने कहा कि श्रावणी सुनने सुनाने और पढ़ने पढ़ाने का पर्व है, वर्षा ऋतु में प्राचीन समय में आवागमन बन्द हो जाता था उस समय विद्वान लोग वेद शास्त्रों के स्वाध्याय पर जोर देते थे। उन्होंने कहा कि श्रावणी श्रवण श्रुति से सिद्ध हुआ है। परमपिता परमात्मा द्वारा श्रुति अर्थात वेद ज्ञान ईश्वरीय वाणी चार ऋषियों के माध्यम से सृष्टि में रहने वाले समस्त प्राणियों को दिया गया और यह वेद ज्ञान श्रुति परम्परा से आगे बढ़ा। पर्व शब्द का प्रयोग गन्ने की दो फांकों को जोड़ने वाली गांठ के भी होता है। अर्थात समाज के सभी अंगों को जोड़ने वाला जो हमें आपस में जोड़ दे उसे पर्व कहते हैं। जुड़ने के बाद दोनों तरफ मीठा ही मीठा मतलब पर्व मनाने वाले समाज में समरसता की मिठास। इसे परिवार समाज में उत्साह का संचार करने के कारण उत्सव भी कहा जाता है। बरसातों के प्रारम्भ होते ही पर्वतों की गुफाओं, जंगलों में बने आश्रम आदि से स्वाध्याय शील विद्वान सन्यासी वानप्रस्थी मुनि आदि शहरों गावों आदि में आकर सामान्य गृहस्थी लोगों को अपने अनुभव स्वाध्याय उपासना से अर्जित वेद ज्ञान बांटते थे। ज्ञान देना प्रारम्भ करने से पूर्व वेद ज्ञान रक्षा सूत्र या यज्ञोपवीत सामान्य लोगों को धारण करवाया जाता था। यह श्रावणी पर्व के रूप में जाना जाता था। आज भी मन्दिरों गुरुकुलों आदि में श्रावणी पर्व के दिन सामूहिक यज्ञोपवीत कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। श्रावणी पर्व श्रवण और श्रुति से सिद्ध हुआ है। वेद ज्ञान ईश्वरीय वाणी श्रुति परम्परा से ही आम लोगों तक पहुंचाया जाता है। इसीलिए श्रावणी पर्व के दिन वेद रक्षा सूत्र बांधे यज्ञोपवीत धारण करें और सुने हुए वेद ज्ञान के अनुरूप चलने का संकल्प लें, इसी से हमारी संस्कृति की रक्षा हो पाएगी। वेद ज्ञान ईश्वरीय ज्ञान ब्रह्म ज्ञान होने के कारण समस्त विज्ञान का ज्ञान है। अर्थात विज्ञान के समस्त सूत्र पूर्व से वेद ज्ञान में निहित हैं। वेद का पढ़ना पढ़ाना और सुनना सुनाना हम सभी का परम धर्म है। अपने वैदिक धर्म के सिद्धांतों की रक्षा करके ही हम अपनी रक्षा कर सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि हमें आर्ष साहित्य के पढ़ने की ओर ध्यान देना चाहिए और ज्ञान की व्रद्धि करनी चाहिए। अध्यक्ष आर्य नेता प्रेम सचदेवा ने यजिये परंपरा को आगे बढ़ाने पर जोर दिया । राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि पुस्तकें सच्ची मित्र हैं।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 430वां वेबिनार सम्पन्न

'अमृत महोत्सव की सार्थकता' पर गोष्ठी सम्पन्न

शिक्षा प्रणाली में सुधार क्रांतिकारी कदम है –डॉ. सुषमा आर्य

बुधवार 10 अगस्त 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'अमृत महोत्सव की सार्थकता' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 429 वा वेबिनार था। वैदिक विदुषी डॉ.सुषमा आर्या ने कहा कि लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति में परिवर्तन कर भारतीय शिक्षा प्रणाली लागू करना प्रधानमंत्री मोदी जी का अत्यंत सराहनीय कदम है इससे नयी पीढ़ी को अपने सही इतिहास को पड़ने वा समझने का अवसर मिलेगा। सेना में उन्नति,विश्व शक्ति के रूप में वृद्धि,राष्ट्रीय भावना का विकास हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में महान वीरों को नमन करते हुए राष्ट्र रक्षा करने का आह्वान किया। महर्षि दयानंद को जिनकी प्रेरणा से 85 प्रतिशत से अधिक आर्यों ने देश को आजाद कराने में अपने आप को झोंक दिया। मैं नमन करती हूं वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी जी को जो आजादी के 75वें वर्ष को एक यादगार वर्ष के रूप में आयोजित करने की सुंदर सुरचिकर योजनाएं बनवाई जिससे युवा पीढ़ी में अपने देश के प्रति वफादारी और प्रेम की वृद्धि हो। प्रधानमंत्री के अथक प्रयास के कारण ही स्वच्छता अभियान, आयुष्मान योजना, भारत प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना ,खाता खुलवाना योजना, प्रथम प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, शिक्षा योजना, किसान उत्थान योजना आदि अनेकों योजनाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत अमेरिका और रूस के बाद तीसरे नंबर पर आ गया है ।सोलर सिस्टम बनानें में अमेरिका और जापान को पीछे छोड़ दिया है ,ऑटो मार्केट में जर्मनी से आगे हो गए हैं। बिजली उत्पादन में भी बहुत तरक्की की है ।स्टील उत्पादन में और तरक्की हो रही है , फ्री बिजली पानी को समाप्त करने के लिए बिजली विधेयक बिल लाया गया है बुद्धिमान तथा वैदिक संस्कृति का प्रचार करने वाले वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी जी से कुछ आशाएं हैं। गौ रक्षा आंदोलन में मोदी जी और अधिक सक्रिय हो जाएं सेकुलर शब्द को हटाने के लिए धारा 42 में संशोधन किया जाए तो बहुत अच्छा रहेगा जहां–जहां मंदिर गुरुद्वारे और आर्य समाज हों वहां पर गुरुकुल अनिवार्य हो जाएं ।गुरुकुल शिक्षा को मंदिरों के साथ जोड़ दिया जाए और मंदिरों के धन को गुरुकुल की शिक्षा प्रचार में लगाया जाएं विश्व गुरु बनने की और चल पड़े। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विश्व पटल पर अपनी पहचान बनायी है व योग दिवस को अंतरराष्ट्रीय पहचान दी है जो सराहनीय है। मुख्य अतिथि राजेश सेठी व अध्यक्ष सुनील गुप्ता(पूर्व जनसंपर्क अधिकारी केन्द्रीय कारागार) ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं के योगदान कि चर्चा की। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने भारत की निरंतर उन्नति पर प्रसन्नता व्यक्त की। गायिका प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, कमलेश चांदना, जनक अरोड़ा, कौशल्या अरोड़ा, शोभा बत्रा, सुदर्शन चौधरी, रजनी चुग, सुनीता अरोरा, उषा सूद, ईश्वर देवी आदि के मधुर गीत हुए।

'रक्षा बंधन के सूत्र' पर गोष्ठी सम्पन्न

नारी जाति का सम्मान ही रक्षा बंधन की सार्थकता है –आचार्य पुनीत जी (मेरठ)

सोमवार 08 अगस्त 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'रक्षा बंधन के सूत्र' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 428 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य पुनीत जी (मेरठ) ने कहा कि नारी जाति का सम्मान करना ही रक्षा बंधन की सार्थकता है। आज व्यवसायिकता के दौर में रिश्ते कमजोर पढ़ते जा रहे हैं यह पर्व हमें अपनी जिम्मेदारी समझाने व जगाने आते हैं। रिश्तों की मिठास बनी रहे और कोर्ट कचहरी के मुकदमे कम हो यही प्रयास रहना चाहिए। इस दिन श्रावणी का पर्व मनाने की पुरातन परंपरा है वेद का पढ़ना पढ़ाना सब आर्यों का परम धर्म है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि भारत पर्वों का देश है हमारी संस्कृति हर्ष और उल्लास की संस्कृति है। भाई बहिन के प्रेम के संबंध को यह मज़बूत बनाता है और भाई बहिन की रक्षा का संकल्प लेता है। अध्यक्ष आर्य नेता संदीप आर्य (मंत्री, आर्य समाज हापुड़) वा आनंद प्रकाश आर्य ने रक्षा बंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि यज्ञोपवित के तीन धागे माता, पिता व गुरु के ऋण की याद दिलाते रहते हैं। गायिका प्रवीना ठक्कर, कमला हंस, आशा आर्य, कमलेश चांदना, ईश्वर देवी, रजनी चुग, रजनी गर्ग, रचना वर्मा, विजय खुल्लर,प्रतिभा खुराना,जनक अरोड़ा, प्रवीन पिंकी आर्य, प्रतिभा कटारिया, उर्मिला आर्य ,रविन्द्र गुप्ता, कौशल्या अरोड़ा, शोभा बत्रा, सुदर्शन चौधरी आदि के मधुर गीत हुए।

अंग्रेजों भारत छोड़ो की वर्षगांठ पर शहीदों को किया नमन

प्रत्येक भारतवासी राष्ट्र रक्षा का संकल्प लें –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 9 अगस्त 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' आंदोलन की वर्षगांठ पर आर्य समाज देव नगर करोल बाग दिल्ली में 'राष्ट्र रक्षा यज्ञ' व युवा संस्कार समारोह का आयोजन किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों को स्मरण करने का दिन है जिन्होंने आजादी के लिए अपना सर्वस्व होम कर दिया। आज देश विरोधी ताकतें सिर उठा रही है उन्हें सख्ती से कुचलने की आवश्कता है। 'प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेना चाहिए।' समारोह अध्यक्ष सुशील बाली एडवोकेट ने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा है ।आर्य समाज व महर्षि दयानंद जी से प्रेरणा पाकर हजारों नोजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। युवा संस्कार अभियान के अन्तर्गत 50 बच्चों ने यज्ञोपवीत धारण किये और माता पिता व गुरुओ की सेवा का व्रत लिया। यज्ञ ब्रह्मा आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने यज्ञ एवं यज्ञोपवीत संस्कार करवाया। समाजसेवी अजय यादव, बाबूलाल, उमा आर्य, संतोष वध्वा, रमेश बेदी, सोमेन्द्र शास्त्री, राकेश आर्य आदि ने भी अपने विचार रखे। जिला अध्यक्ष गोपाल जैन ने कुशलता से संचालन किया।

दस दिवसीय युवा संस्कार अभियान का भव्य शुभारंभ

स्वतंत्रता आंदोलन में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान– राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 7 अगस्त 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में श्रावणी पर्व व आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 10 दिवसीय युवा संस्कार अभियान का दूसरा भव्य शुभारंभ साहिबाबाद में किया गया। गाजियाबाद,साहिबाबाद, सुल्तानपुरी, फरीदाबाद, मंगोलपुरी, संगम विहार, शाहदरा, जींद आदि स्थानों पर आज 10 कार्यक्रम किये गए। साहिबाबाद के राममनोहर लोहिया पार्क राजेन्द्र नगर में सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा है। आर्य समाज व महर्षि दयानंद जी से प्रेरणा पाकर हजारों नोजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े, कइयों को फांसी व आजीवन कारावास की सजा मिली। हैदराबाद के आंदोलन में आर्य समाज के प्रचण्ड संघर्ष व बलिदान के कारण निजाम को घुटने टेकने पडे। आज सभी को राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ लेनी चाहिए। युवा संस्कार अभियान में यज्ञोपवीत संस्कार किये गए। लोहिया पार्क की योग कक्षा में श्रावणी पर्व पर यज्ञोपवीत संस्कार राष्ट्रीय मंत्री श्री प्रवीण आर्य जी पधारे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई एवं यज्ञोपवीत संस्कार, सनातनी संस्कृति, देशभक्ति, और आजादी के अमृत महोत्सव के लिए हमारा मार्गदर्शन किया। आर्य समाज लाजपत नगर के उपप्रधान श्री बिजेंद्र सिंह जी ने देशभक्ति गीत ''मेरा रंग दे बसंती चोला, और ऋषि देव दयानंद को याद करते हुए उनके लिए –पत्थर मत मारो दीवानों भगवान का मस्त फकीर है ये। एक भजन प्रस्तुत है किया। आज के ब्रह्मा श्री ओमपाल शास्त्री जी यज्ञ एवं यज्ञोपवीत संस्कार कराया और स्वयं रचित बहुत सुंदर गीत ''यज्ञोपवीत पावन तीन धागों वाला ,आयुष तेज बल का है रखवाला।'' गाया , अन्त में श्री शिशुपाल जी ने आर्यों को जगाने वाला स्वयं रचित बहुत सुंदर गीत गाया। मुख्य यज्ञमान श्री देवेन्द्र आर्य और उनकी धर्मपत्नी रहे जिन्होंने यज्ञ के आयोजन में भी बहुत योगदान दिया। सर्वश्री राजकुमार सुरेश आर्य,हुकम सिंह,सुरेन्द्र जी ने सारी व्यवस्था को संभाला। अन्त में श्री महावीर शर्मा जी, श्रीराम निवास जी, श्रीमती रेणु सिंह जी व के के शर्मा जी को ऋषि दयानंद सरस्वती का चित्र देकर श्री अनिल आर्य जी द्वारा सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री के के यादव जी,दुर्योधन जी,दीपक जी, अनिल शर्मा जी, सुधीर जी,जगदीश जी,संदीप जैन, मुन्ना भाई और शबंसल जी व चंद्रो ढाका के साथ अनेकों बहनें सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम की रूपरेखा श्री सुरेश आर्य जी और श्री राजकुमार आर्य जी ने तैयार की। शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

'ईश्वर की भक्ति क्यों करें' पर गोष्ठी सम्पन्न

परमात्मा की भक्ति करने से बुद्धि,बल,ओज प्राप्त होता है –विदुषी श्रुति सेतिया

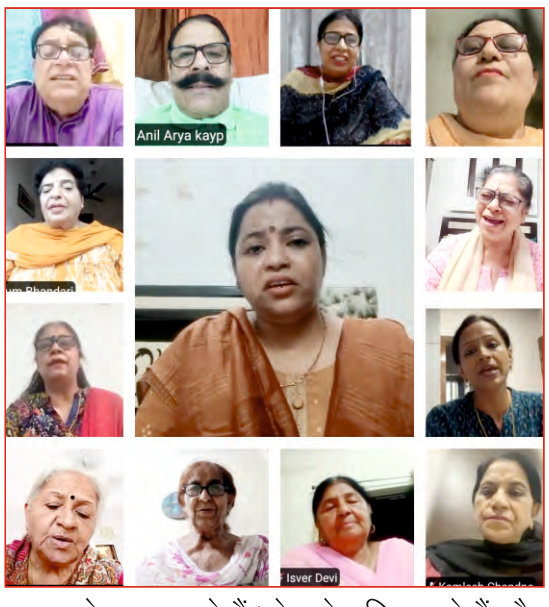

बुधवार 3 अगस्त 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'ईश्वर भक्ति क्यों करें' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 426 वा मइपदंत था। वैदिक विदुषी श्रुति सेतिया ने कहा कि परमात्मा की भक्ति करने से बुद्धि,बल, तेज व पराक्रम की प्राप्ति होती है क्योंकि जो जिसकी भक्ति करेगा वैसे ही गुण उसके जीवन में आयेगे। उन्होंने कहा कि प्रश्न उत्पन्न होता है कि हम परमात्मा की भक्ति क्यों करें ? हम जड़ पदार्थों अथवा अल्प मनुष्यों की भक्ति क्यों ना करें? ईश्वर भक्ति से हमें क्या लाभ हो सकते हैं ? यह प्रश्न वास्तव में बड़ा विचारणीय तथा गंभीर है। जो जिसका चिंतन करता है वह उसी के रंग में रंग जाता है ,जो जिसका अधिक ध्यान करता है वह उसी का स्वभाव ग्रहण करता जाता है। यदि हम मनुष्यों की भक्ति करते हैं तो इसमें संदेह नहीं कि हम में उन उपास्य देवताओं के गुण आवेंगे, क्योंकि मनुष्य सारे के सारे ही अल्प ज्ञानी होते हैं,उनमें कमजोरियां होती है,इसलिए यह स्वाभाविक है कि मनुष्यों की पूजा और भक्ति करने से जहां हम उनके गुणों को ग्रहण करते हैं वहां अवगुण भी हम में आ जाते हैं। जड़ पदार्थों की पूजा करने से मनुष्य के अंदर सूक्ष्म विचारों का नाश हो जाता है, क्योंकि वह जड़ की न्यायी जड़ बन जाता है। पूजा के लिए आवश्यकता है एक महाशक्ति की, भक्ति के लिए आवश्यकता है एक सर्व व्यापक सर्व शक्तिमान, पाप नाशक शक्ति के भंडार परमात्मा की ,भक्ति के लिए आवश्यकता है एक सुध बुध मुक्त स्वभाव सच्चिदानंद की। वेद भगवान कहते हैं कि परमात्मा शुक्र अर्थात आनंद है , वह घावों –आदि क्लेश से रहित है ,दुख का नाशक है ,सुख का दाता है ,वह निराकार है ,वह नस– नाड़ियों के बंधन से मुक्त है, उसकी कोई मूर्ति नहीं, वह शुद्ध पवित्र है, पाप रहित है। वेद भगवान कहते हैं कि ऐसे ही परमात्मा की भक्ति और पूजा करके मनुष्य का जीवन सफल हो सकता है अन्यथा नहीं। हम उस सर्वशक्तिमान की पूजा करते हैं व हृदय से पूजा करते हैं। प्रेम से भक्ति करते हैं और उसी के कारण हमारी आत्मा बलवान होती जाती है और पुष्ट होती जाती है। वेद भगवान कहते हैं– य आत्मदा बलदा 'यस्य विश्व उपासते प्रशिक्षम यस्यदेवा' जड़ पदार्थों की पूजा से आत्मा को कदापि बल प्राप्त नहीं हो सकता ,क्योंकि ईश्वररिये नियम है कि जहां जीवन होता है वहां से ही दूसरों को जीवन मिला करता है, जहां शक्ति होती है वहीं से दूसरों को शक्ति मिला करती है। जड़ पदार्थों में जब जीवन ही नहीं है तो उनकी पूजा करके एक चेतन आत्मा कैसे जीवन पा सकता है? उसको क्या बल या ढाढस मिल सकता है? कुछ भी नहीं । इसलिए वेद भगवान कहते हैं कि भक्ति की योग्य केवल एक परमात्मा ही है। अज्ञानी लोग अज्ञान वश जड़ पदार्थों की पूजा करते हैं। यदि हम परमात्मा की भक्ति करते हैं तो हम में जीवन आता है, उत्साह आता है ,तेज आता है, बल और पराक्रम आता है, क्योंकि यह एक साधारण बात है कि जितना हम अल्प वस्तुओं की भक्ति करेंगे उतना ही हमारे विचार, हमारा जीवन, हमारा तेज, हमारा बल भी अल्प होगा। परंतु जहां तक एक महान और प्रभावशाली जीवन के आधार, आत्मा के आधार, सर्व शक्तिमान, तेजोमय परमात्मा की पूजा करेंगे उतने ही हम महान होते जाएंगे। स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने आर्य विभिनये पुस्तक की रचना ही ईश्वर के प्रति भाव रखने वाले भक्तों , उपासकों व साधकों के लिए ईश्वर की स्तुति और प्रार्थना की आवश्यकता की पूर्ति के लिए की है। जब हम ईश्वर की स्तुति करते हैं तो हमारे गुण,कर्म व स्वभाव में सुधार होता है। ऐसा होने से हमारी स्थिति से पूर्व जो दुर्गुण दुर– व्यसन और दुख होते हैं उनमें स्तुति के प्रभाव से स्वतः सुधार होता जाता है। अध्यक्ष अंजु आहूजा (चंडीगढ़) ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती जी ने निराकार सर्वशक्तिमान परमात्मा की उपासना करने पर बल दिया है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए एक ईश्वर की स्तुति वा उपासना करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका कुसुम भंडारी, प्रवीणा ठक्कर, कमलेश चांदना, कमला हंस, रचना वर्मा, विजय कपूर, ईश्वर देवी ,कृष्णा पाहुचा ,आशा आर्य, प्रतिभा कटारिया, रेखा गौतम आदि के मधुर भजन हुए।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970